YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 17.04.2018

NAVBHARAT TIMES

नाटक से लैंगिक समानता के प्रति किया जागरूक

वाईएमसीए में महिला सशक्तिकरण विषय पर हुआ कार्यक्रम

■ वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के महिला कल्याण प्रकोष्ठ एवं सृजनात्मक मानुषी संस्था, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण तथा लैंगिक समानता विषय पर परिचर्चा एवं नाटक मंचन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल मुख्य अतिथि रही एवं दीप प्रज्ज्वलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन महिला कल्याण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. अंजू गुप्ता की देखरेख में किया गया। डॉ. रंजना अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं के विरूद्ध हो रहे उत्पीड़न के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए समाज में जनचेतना की आवश्यकता है। युवाओं को महिलाओं के प्रति अपनी दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा और समाज में लैंगिक भेदभाव को खत्म करने के लिए आगे आना होगा। नाटक में छह साल के बच्चे से लेकर व्यस्क आयु के कलाकारों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सृजनात्मक मानुषी संस्था की संस्थापक अर्चना कौल भी मौजूद रही।

सृजनात्मक मानुषी संस्था, नई दिल्ली के कलाकारों ने बांधा समां

NEWS CLIPPING: 17.04.2018

PUNJAB KESARI

लैंगिक भेदभाव को खत्म करने को युवा आगे आएं: रंजना अग्रवाल

फरीदाबाद, 16 अप्रैल (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा सृजनात्मक मानुषी संस्था, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'महिला सशक्तिकरण तथा लैंगिक समानता' विषय पर परिचर्चा तथा नाटक मंचन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल मुख्य अतिथि रही तथा दीप प्रज्जवलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन महिला कल्याण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. अंजू गुप्ता की देखरेख में किया गया।

वाईएमसी में आयोजित नाटक में अपनी प्रस्तुति देते छात्र–छात्राएं।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 17 April 2018
epaper.punjabkesari.in//c/27941793

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 17.04.2018

HINDUSTAN

युवा लैंगिक भेदभाव को खत्म करें: अग्रवाल

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेबी वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के महिला कल्याण प्रकोष्ठ और सृजनात्मक मानुषी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता विषय पर परिचर्चा व नाट्य मंचन किया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विरूद्ध उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लिए समाज में जनचेतना की आवश्यकता है। इसके लिए युवाओं को महिलाओं के प्रति अपनी दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। तभी समाज में लैंगिक भेदभाव को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। महिला कल्याण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. अंजू गुप्ता की देखरेख में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में सृजनात्मक मानुषी संस्था की संस्थापक अर्चना कौल भी उपस्थित रहीं। सृजनात्मक मानुषी संस्था के सदस्यों द्वारा समाज में प्रत्येक स्तर पर महिलाओं के विरूद्ध हो रहे अत्याचारों को बेहद संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया। 'अगले जन्म मुझे मां मत बनाना' शीर्षक को लेकर हुए नाट्य मंचन द्वारा कलाकारों ने बताया कि किस प्रकार महिला को समाज में एक बेटी, मां तथा पत्नी की भूमिका में सहना पड़ता है।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय फरीदाबाद में सोमवार को कलाकारों ने नाटिका के जरिए महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया। ● हिन्दुस्तान

DAINIK JAGRAN

महिला अत्याचार पर अंकुश को जनचेतना जरूरी

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय की महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर परिचर्चा एवं नाटक मंचन किया गया। महिला कल्याण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. अंजू गुप्ता की अध्यक्षता में सृजनात्मक मानुषी संस्था नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल मुख्य अतिथि थीं । उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर संस्था की संस्थापक अर्चना कौल भी उपस्थित थी।

डॉ.रंजना अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं के विरूद्ध उत्पीड़न के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए समाज में जनचेतना की आवश्यकता है। युवाओं को महिलाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा और समाज में लैंगिक भेदभाव को खत्म करने के लिए आगे आना होगा। नाटक के जरिए कलाकारों ने समाज में प्रत्येक स्तर पर महिलाओं के विरूद्ध हो रहे अत्याचारों को बेहद संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया। अगले जन्म मुझे मां मत बनाना शीर्षक को लेकर हुए इस नाट्य मंचन द्वारा कलाकारों ने बताया कि किस प्रकार एक महिला को समाज में एक बेटी, मां तथा पत्नी की भूमिका में सहना पड़ता है। नाटक में विभिन्न आयु वर्ग के किरदारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को बेहतरीन संदेश दिया, जिसमें छह साल के बच्चे से लेकर वयस्क आयु के कलाकारों ने हिस्सा लिया।

महिला सशक्तिकरण को विषयवस्तु के रूप में रखते हुए संस्था द्वारा विभिन्न नृत्य विधाओं के माध्यम से विश्वभर में महिलाओं के प्रति सोच में आ रहे क्रांतिकारी बदलावों पर अपनी प्रस्तुति दी तथा लोगों को महिला के प्रति दृष्टिकोण बदलने के लिए प्रेरित किया।

NEWS CLIPPING: 17.04.2018

PUNJAB KESARI (Delhi)

महिला सशक्तिकरण पर परिचर्चा

फरीदाबाद , राकेश देव (ब्यूरो चीफ, पंजाब केसरी): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा सृजनात्मक मानुषी संस्थाए नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण तथा लैंगिक समानता विषय पर परिचर्चा तथा नाटक मंचन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ रंजना अग्रवाल मुख्य अतिथि रही तथा दीप प्रज्वलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन महिला कल्याण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ अंजू गुप्ता की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर सृजनात्मक मानुषी संस्था की संस्थापक अर्चना कौल भी उपस्थित थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ रंजना अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं के विरूद्ध उत्पीड़न के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए समाज में जनचेतना की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को महिलाओं के प्रति अपनी दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा और समाज में लैंगिक भेदभाव को खत्म करने के लिए आगे आना होगा। कार्यक्रम के दौरान सृजनात्मक मानुषी संस्था के सदस्यों द्वारा समाज में प्रत्येक स्तर पर महिलाओं के विरूद्ध हो रहे अत्याचारों को बेहद संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया। अगले जन्म मुझे मां मत बनाना शीर्षक को लेकर हुए इस नाट्य मंचन द्वारा कलाकारों ने बताया कि किस प्रकार एक महिला को समाज में एक बेटी-मां तथा पत्नी की भूमिका में सहना पड़ता है। नाटक में विभिन्न आयु वर्ग के किरदारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को बेहतरीन संदेश दिया जिसमें छह साल के बच्चे से लेकर वयस्क आयु के कलाकारों ने हिस्सा लिया। महिला सशक्तिकरण को विषयवस्तु के रूप रखते हुए संस्था द्वारा विभिन्न नृत्य विधाओं के माध्यम से विश्वभर में महिलाओं के प्रति सोच में आ रहे क्रांतिकारी बदलावों पर अपनी प्रस्तुति दी तथा लोगों को महिला के प्रति दृष्टिकोण बदलने के लिए प्रेरित किया।

सृजनात्मक मानुषी संस्थाए नई दिल्ली के सदस्य नाटक मंचन करते हुए।

NEWS CLIPPING: 17.04.2018

DAINIK BHASKAR

लैंगिक भेदभाव खत्म करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा: अग्रवाल

फरीदाबाद |वाईएमसीए यूनिवर्सिटी की महिला कल्याण प्रकोष्ठ ने सृजनात्मक मानुषी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 'महिला सशक्तिकरण व लैंगिक समानता' विषय पर परिचर्चा एवं नाटक मंचन का आयोजन किया। 'अगले जन्म मुझे मां मत बनाना' नाटक में कलाकारों ने बताया कि किस प्रकार एक महिला को समाज में एक बेटी, मां व पत्नी की भूमिका में रहना पड़ता है। नाटक में विभिन्न आयु वर्ग के किरदारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को बेहतरीन संदेश दिया। इसमें छह साल के बच्चे से लेकर वयस्क तक के कलाकारों ने हिस्सा लिया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध उत्पीड़न के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए समाज में जनचेतना की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को महिलाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। समाज में लैंगिक भेदभाव को खत्म करने के लिए आगे आना होगा।